दिनांक 24 सितम्बर, 1986

सं० ग्रो०वि०/एफ. डी./50-86/35521.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै. इन्डस्ट्रीयल एण्ड एलाईड प्रोडक्टस कारपोरेशन प्लाट नं. 45, सैक्टर-6, फरीदाबाद, के श्रिमिक श्री राजन के पी. मार्फत श्री के एल शर्मा जी-15. ग्रोल्ड प्रैस कलोनी, फरीदाबाद, तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रीद्योगिक विवाद है;

श्रीर चूं कि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, ग्रब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रिधिसूचना सं० 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुए ग्रिधिसूचना सं० 11495-जी-श्रम/57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त ग्रिधिसूचना की धारा 7 के ग्रधीन गिठत श्रम न्यायालय, फरीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिनर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रिमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत श्रथवा सम्बन्धित मामला है :—

वया श्री राजन के. पी. की सेवाम्रों का समापन न्यायोचित वथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० म्रो॰वि॰/एफ.डी./50-86/35528—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि म इन्डस्ट्रीयल एण्ड एलाईड प्रोडक्टस कारपोरेशन प्लाट नं. 45, सैक्टर-6, फ़रीदाबाद के श्रमिक श्री राम खिलावन, मार्फत श्रो के एल. शर्मा जी-15 म्रोल्ड प्रैस क्लोनी, फ़रीदाबाद, तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई मौद्योगिक विवाद है;

श्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, श्रव, ग्रौद्योगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947 की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं० 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978, के साथ पढ़ते हुए श्रिधिसूचना सं० 11495-जी-श्रम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958, द्वारा उक्त श्रिधिसूचना की धारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत श्रमवा संबंधित मामला है :---

क्या श्री राम खिलावन की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ग्रो॰ वि०/एफ॰डी॰/50-86/35535.--चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं. इन्डस्ट्रीयल एण्ड एलांईड प्रोडवटस कारपोरेशन 'लाट नं. 45, सैवटर-6, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री पाम निहोर मिश्रा मार्फत श्री के. एल शर्मा जी-15 ग्रोल्ड प्रेस कलोनी, फरीदाबाद, तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामलें में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है;

श्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, श्रब, श्रौद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयीं का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रिधिसूचना सं० 5415-3-श्रम/68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुए श्रिधिसूचना सं० 11495-जी-श्रम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त श्रिधिसूचना की धारा 7 के श्रधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायिनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत अथवा संबंधित मामला है:—

नया श्री राम निहोर मिश्रा की सेवाभ्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत की हकदार है ?